Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi English

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय जानकीनाथा,
जय श्री रघुनाथा ।
दोउ कर जोरें बिनवौं,
प्रभु ! सुनिये बाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

तुम रघुनाथ हमारे,
प्राण पिता माता ।
तुम ही सज्जन-संगी,
भक्ति मुक्ति दाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

लख चौरासी काटो,
मेटो यम त्रासा ।
निशदिन प्रभु मोहि रखिये,
अपने ही पासा ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

राम भरत लछिमन,
सँग शत्रुहन भैया ।
जगमग ज्योति विराजै,
शोभा अति लहिया ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

हनुमत नाद बजावत,
नेवर झमकाता ।
स्वर्णथाल कर आरती,
करत कौशल्या माता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

सुभग मुकुट सिर, धनु सर,
कर शोभा भारी ।
मनीराम दर्शन करि,
पल-पल बलिहारी ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

जय जानकिनाथा,
हो प्रभु जय श्री रघुनाथा ।
हो प्रभु जय सीता माता,
हो प्रभु जय लक्ष्मण भ्राता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

हो प्रभु जय चारौं भ्राता,

हो प्रभु जय हनुमत दासा ।
दोउ कर जोड़े विनवौं,
प्रभु मेरी सुनो बाता ॥
ॐ जय जानकीनाथा॥

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti Lyrics in English

Om Jai Janaki Natha,
Jai Shri Raghunatha.
Dou Kar Jore Binvaun,
Prabhu! Suniye Baata.
Om Jai Janaki Natha.

Tum Raghunath Hamare,
Pran Pita Mata.
Tum Hi Sajjan-Sangi,
Bhakti Mukti Daata.
Om Jai Janaki Natha.

Lakh Chaurasi Kato,
Meto Yam Trasa.
Nishdin Prabhu Mohi Rakhiye,
Apne Hi Paasa.
Om Jai Janaki Natha.

Ram Bharat Lakshman,
Sang Shatruhan Bhaiya.
Jagmag Jyoti Virajai,
Shobha Ati Lahiya.
Om Jai Janaki Natha.

Hanumat Naad Bajawat,
Never Jhamkata.
Swarnathal Kar Aarti,
Karat Kaushalya Mata.
Om Jai Janaki Natha.

Subhag Mukut Sir, Dhanush Sar,
Kar Shobha Bhari.
Maniram Darshan Kari,
Pal-Pal Balihari.
Om Jai Janaki Natha.

Jai Janaki Natha,
Ho Prabhu Jai Shri Raghunatha.
Ho Prabhu Jai Sita Mata,
Ho Prabhu Jai Lakshman Bhaiya.
Om Jai Janaki Natha.

Ho Prabhu Jai Charon Bhaiya,
Ho Prabhu Jai Hanumat Daasa.
Dou Kar Jode Binvaun,

Prabhu Meri Suno Baata.
Om Jai Janaki Natha.

About Shri Jankinatha Ji Ki Aarti in English

Shri Jankinatha Ji Ki Aarti is a devotional hymn dedicated to Lord Shri Ram, who is also known as Jankinatha, the husband of Goddess Sita (Janki). This Aarti praises Lord Ram's divine qualities, his compassion, and his role as a protector and savior of the world. It emphasizes his love and devotion to Goddess Sita and his unwavering righteousness in fulfilling his duties as a king, husband, and protector of dharma (righteousness).

The Aarti highlights various aspects of Lord Ram's divine life, such as his victory over evil, his love for his family, and his ability to overcome every obstacle with grace and strength. The hymn acknowledges the importance of his relationships with his brothers, especially with Bharat, Lakshman, and his other companions, including Hanuman, who is revered as Lord Ram's greatest devotee.

Devotees sing this Aarti to seek Lord Ram's blessings for courage, protection, and spiritual growth. It is believed that chanting this Aarti with devotion helps in removing obstacles, bringing peace, and fostering love, devotion, and devotion towards the divine. It also reminds devotees to follow the path of righteousness and live a life based on truth, integrity, and compassion.

About Shri Jankinatha Ji Ki Aarti in Hindi

श्री जानकीनाथ जी की आरती एक भक्तिपूर्ण प्रार्थना है, जो भगवान श्रीराम को समर्पित है, जो देवी सीता (जानकी) के पतिदेव के रूप में प्रसिद्ध हैं। इस आरती में भगवान श्रीराम के दिव्य गुणों की सराहना की जाती है, जिसमें उनकी करुणा, भक्ति, और संसार को बचाने वाले रक्षक के रूप में उनकी भूमिका का उल्लेख किया गया है। यह आरती श्रीराम के धर्म, सत्य और प्रेम के प्रतीक रूप को उजागर करती है।

इस आरती में भगवान श्रीराम की जीवन यात्रा के महत्वपूर्ण पहलुओं का वर्णन किया गया है, जैसे उनकी बुराई पर विजय, अपने परिवार के प्रति प्रेम और उनके जीवन के हर कर्तव्य को पूरी श्रद्धा से निभाना। इसमें उनके भाइयों, विशेष रूप से भरत और लक्ष्मण के साथ उनके रिश्तों का भी उल्लेख है, और उनके भक्त हनुमान की निष्ठा और भक्ति को भी प्रदर्शित किया गया है।

भक्त इस आरती को श्रीराम के आशीर्वाद के लिए गाते हैं, ताकि वे सुरक्षा, साहस और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकें। यह आरती जीवन में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने, शांति और सुख प्राप्त करने, और भगवान श्रीराम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।